M.A. Examination, 2010
हिंदी
HI प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर
(आधुनिक गद्य : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध और संस्मरण/ रेखा चित्र)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें : *i) गली आगे मुड़ती है – शिवप्रसाद सिंह*
ii) कथा –परिदृश्य : सं. डॉ सतीश केकरे, प्रो. कौशलेंद्र झा.
iii) कबिरा खड़ा बाज़ार में – भीष्म सहानी.
iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी . . . चुने हुए निबंध : – सं. मुकुंद द्विवेदी.
v) स्मृती–बिंब – सं. डॉ. चंद्रेश्वर कर्ण ।

सूचनाएँ : *i) **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** है।*
*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iii) विभाग **'अ'** के **दोनों** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iv) विभाग **'ब'** में से कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए जिनमें से प्रश्न क्रं. **07 अनिवार्य** है ।*
*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – 'अ'

1. 'रामानंद तिवारी संघर्षशील युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करनेवाला पात्र है' – 'गली आगे मुड़ती है' के आधार पर रामानंद का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

अथवा

'गली आगे मुड़ती है ' उपन्यास में लेखक ने नारी के विविध रूपों का उद्घाटन किया है' – स्पष्ट कीजिए ।

2. 'आधुनिक कहानियों में कहानीकारों का प्रगतिवादी दृष्टिकोण दिखाई देता है ' – कथा – परिदृश्य के आधार पर समझइए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) नन्हकुसिंह का चरित्र

ख) 'कितने पाकिस्तान' शीर्षक की सार्थकता.

ग) जाह्नवी कहानी की सांकेतिकता

घ) 'पिता' कहानी का उद्देश्य ।

विभाग – 'ब'

3. 'कबिरा खड़ा बाजार में ' नाटक कबीर को उनके परिप्रेक्ष्य में रखकर उनके संघर्ष के मूल सामाजिक धरातल को स्थापित करने में सफल हुआ है ' – कथन की समीक्षा कीजिए ।

4. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध आत्मव्यंजक हैं , उनकी भाषा प्रौढ़ साहित्यिक है तथा शैली व्यंग्यात्मक है' – विवेचन कीजिए ।

5. 'वही संस्मरण श्रेष्ठ होता है जिसके विषय –वर्णन में स्पष्टवादिता, रोचकता, सुसंगठन, संक्षिप्तता होती है' – 'स्मृति–बिंब' के आधार पर समीक्षा कीजिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   च) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के पद ।

   छ) 'अंधकार से जूझना है' – में लेखक की आस्था ।

   ज) रांगेय राघव –दर्पिला चरित्र ।

7. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

   त) 'बच्चों पर पड़ने वाले कोडे माँ की पीठ पर पड़ते हैं, पर मैं मरी नहीं, नंदू मर गया ।'

   अथवा

   'तीनों भगवान के सच्चे भक्त और तीनों एक–दूसरे के दूश्मन । तीनों एक जगह बैठकर भगवान की भक्ति नहीं कर सकते ।'

   थ) अंधकार की सैंकडो परतं हैं उससे जूझना ही मनुष्य का मनुष्यत्व है । जूझने का संकल्प ही महादेवता है, उसी को प्रत्यक्ष करने की क्रिया को लक्ष्मी की पूजा कहते हैं ।'

   अथवा

   आज भी मदगर्वित सेनानियों को कहा जा सकता है कि सावधान, चट्टान पर सिर न मारो, रावण की गति को न प्राप्त हो ।

   न) 'बिरादर । हम जैसे 'खानाखराब' को अब तक किसी ने सही समझा भी ..... ।'

   अथवा

   साहित्य की उस गंभीर मूर्ति को खिलाखिलाकर हँसते हुए देखा है । चिंतन के गहरे समुद्र को चीरकर निकली हुई सरस हँसी उनके सहज सामर्थ्य की थाह बतलाती थी ।

M.A. Examination, 2010
HINDI (हिंदी)
HI : प्रश्नपत्र – 3 : विशेष स्तर
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना
(85 Pattern)

Time: 3 Hours Max. Marks: 60

सूचनाएँ : *i) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

*ii) **सभी** प्रश्नों के लिए **समान** अंक हैं।*

*iii) विभाग **'अ'** में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

*iv) विभाग **'ब'** में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।*

विभाग 'अ'

1. साधारणीकरण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके संबंध में अभिनव गुप्त तथा आ. रामचंद्र शुकल के मतों का विवेचन कीजिए।

2. 'ध्वनि' शब्द की परिभाषा देते हुए ध्वनि के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

3. 'अलंकार' शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए काव्य में अलंकार का स्थान स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए।

   अ) भरतमुनि का रस सूत्र

   ब) रीति और गुण

   क) वक्रोक्ति का महत्त्व

   ड) आ. क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार।

विभाग 'ब'

5. 'अनुकरण' सिद्धान्त की व्याख्या देते हुए अनुकरण विषयक अरस्तू और प्लेटो के विचारों की तुलना कीजिए।

6. लोंजाइनस के 'उदात्त' का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य में उदात्त सिद्धान्त का महत्व स्पष्ट कीजिए।

7. 'प्रतीकवाद'की व्याख्या करते हुए काव्य में प्रतीकवाद का महत्व स्पष्ट कीजिए।

8. इलियट के निवैयक्तिकत्ता सिद्धान्त का परिचय दीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   य) आलोचक के गुण

   र) आई. ए. रिचर्डस् का संप्रेषण सिद्धान्त

   ल) क्रौंचे का अभिव्यंजनावाद

   व) काव्य में बिम्ब का महत्व।

M.A. Examination, 2010
हिंदी
HI : प्रश्नपत्र – 7 : विशेष स्तर (85 Pattern)
हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : तीन घंटे | पूर्णांक : 80

सूचनाएँ : *i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं।*
ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक हैं।
iii) ***दोनों*** *विभागों के उत्तर* ***एक*** *ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए।*

विभाग – अ

1. आदिकाल के नामकरण संबंधी विभिन्न मतों को स्पष्ट कीजिए। **16**

अथवा

आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

2. प्रेमाश्रयी शाखा की प्रमुख प्रवृत्तियों को लिखते हुए जायसी के योगदान पर प्रकाश डालिए। **16**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) चंदबरदाई।

ख) तुलसीदास।

ग) सूरदास का साहित्य।

घ) बिहारी सतसई।

विभाग – ब

3. आधुनिक नाटक साहित्य की विकास यात्रा का परिचय दीजिए। **16**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) फोर्ट विलियम कॉलेज।

छ) यशपाल के उपन्यास।

ज) साठोत्तरी कहानी।

झ) निबंधकार आ . रामचंद्र शुक्ल।

4. हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियों को लिखते हुए रामधारीसिंह दिनकर के काव्य का परिचय दीजिए। **16**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

ट) जयशंकर प्रसाद का काव्य।

ठ) प्रगतिवाद।

ड़) प्रयोगवाद के उद्‌भव के कारण।

ढ) धूमिल।

5. अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षेप में लिखिए : **10**

त) भारतेंदु युगीन गद्य-साहित्य की विशेषताओं का परिचय दीजिए।

थ) स्वातंत्र्योत्तर काल के दो व्यंग्य-निबंधकारों के नाम लिखिए।

द) शुक्ल युगीन आलोचना की दो विशेषताएँ लिखिए।

ध) छायावादी कविता की दो विशेषताएँ लिखिए।

न) गिरिजाकुमार माथुर के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

प) दुष्यंत कुमार के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

आ) निम्नलिखित में से छह प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए। **6**

य) यशपाल किस वाद से संबंधित लेखक हैं ?

र) मार्क्सवाद से प्रभावित दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

ल) 'गोदान' के लेखक कौन हैं ?

व) सचेतन कहानी आंदोलन के प्रवर्तक का नाम लिखिए।

श) स्वातंत्र्योत्तर काल के दो आँचलिक कथाकारों के नाम लिखिए।

ष) शंकर शेष के दो नाटकों के नाम लिखिए।

स) उषा प्रियंवदा के दो कहानी-संग्रहों के नाम लिखिए।

ह) सुरेंद्र वर्मा के नाटकों के नाम लिखिए।

M.A. Examination, 2010
हिंदी (85 Pattern)
HI प्रश्नपत्र – 4:विशेष स्तर : वैकल्पिक पाठ्यक्रम

सूचना–निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 60

(अ) विशेष साहित्यकार– कबीर

पाठ्यपुस्तक – कबीर ग्रंथावली : संपा. श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के लिए **समान** अंक हैं ।*

*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

*iii) विभाग '**अ**' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*iv) विभाग '**ब**' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए जिन में से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. **9 अनिवार्य** है।*

*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. भारतीय भाक्ति आंदोलन का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2. निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान स्पष्ट कीजिए ।

3. कबीर पर नाथ–पांथियों के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   क) कबीरकालीन परिस्थितियाँ

   ख) कबीर का लोक–चिंतन

   ग) कबीर का प्रेम–तत्व

   घ) समाजसुधारक कबीर

विभाग – ब

5. कबीर के आत्मा तथा जीव संबंधी मतों को स्पष्ट कीजिए ।

6. कबीर की प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए ।

7. कबीर काव्य की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   च) कबीर का विद्रोह

   छ) कबीर के माया संबंधी विचार

   ज) कबीर की साखियाँ

   झ) कबीर की भाषा ।

9. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

   क) हम न मरैं मरिहै संसारा, हंम कूंमिल्या जिंयावनहारा
   अब न मरौं मरनैं मन मांनां, तेई मूए जिनि राम न जांनां ।
   साकत मरै संत न जीवै, भरि भरि रांम रसांइन पीवै ।
   हरि मरिंहैं तौ हमहूँ मरिहैं, हरि न मरै हंम काहे कूं मरिहैं।
   कहै कबीर मन मनहि मिलावा, अमर भये सुख सागर पावा ।।

   ख) हरि मेरा पीव माई, हरि मेरा पीव,
   हरि बिन रहि न सकै मेरा जीव ।
   हरि मेरा पीव मैं हरि की बहुरिया,
   रांम बड़े मैं छुटक लहुरिया ।
   किया स्यंगार मिलन कै नांई,
   काहे न मिलौ राजा रांम गुसांई ।
   अब की बेर मिलन जो पांऊँ,
   कहै कबीर भौ–जलि नहीं आंऊं ।

ग) वै क्यूं कासी नजैं मुरारी, तेरी सेवा चोर भये बनवारी
जोगी जती तपी संन्यासी, मठ देवल बसि परसैं कासी ।
तीन बार जे नित प्रति न्हांवैं, काया भींतरि खबरि न पांवैं ।
देवल देवल फेरी देहीं नांव निरंजन कबहुँ न लेहीं।
चरन बिरद कासी कौं न दैहूं, कहै कबीर भल नरकहि जैहूं ।।

घ) क्या ह्वै तेरे न्हांई धोईं, आतम-रांम न चीन्हां सोई
क्या घट ऊपरि मंजन कीयैं, भीतरि मैल अपारा ।
रांम नांम बिन नरक न छूटै, जे धोवै सौ बारा ।
का नट भेष भगवां बस्तर, भसम लगावै लोई ।
ज्यूं दादुर सुरसुरी जल भीतरि, हरि बिन मुकति न होई ।
परहरि कांम रांम कहि बौरे, सुनि सिख बंधू मोरी ।
हरि कौ नांव अभै-पद-दाता, कहै कबीरा कोरी ।।

———————————

(आ) विशेष साहित्यकार– तुलसीदास

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें – i) श्रीरामचरितमानस–गीता प्रेस, गोरखपुर
ii) विनय–पत्रिका –वियोगी हरि
iii) कवितावली–डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के लिए **समान** अंक हैं ।*
*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iii) विभाग '**अ**' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iv) विभाग '**ब**' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए जिन में से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. **9 अनिवार्य** है ।*
*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. 'तुलसीदास का काव्य भक्तिप्रधान काव्य है'–प्रस्तुत कथन के आधार पर तुलसी की भक्ति– पद्धति की विशद समीक्षा कीजिए ।

2. 'तुलसी के राम का चरित्र देवत्व और मानवत्व का सुंदर समन्वय है'– सिद्ध कीजिए ।

3. गोस्वामी तुलसीदास की दार्शनिक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   क) रामचरितमानस में प्रकृति के विविध रूप

   ख) तुलसीदास के मंगल काव्य

   ग) विनयपत्रिका का प्रतिपाद्य

   घ) विनयपत्रिका में गीतितत्व ।

विभाग – ब

5. रामचरितमानस के आधार पर तुलसी के नीति सिद्धातों को समझाइए ।

6. रामचरितमानस के आधार पर तुलसी की सामाजिक विचारधारा को स्पष्ट कीजिए ।

7. विनयपत्रिका की अलंकार–योजना और छंद योजना पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   च) रामचरितमानस में नारी विषयक दृष्टि

   छ) तुलसी –काव्य की प्रासंगिकता

   ज) विनयपत्रिका की विनय–भावना

   स) कवितावली की विशेषनाएँ ।

9. निम्नलिखित अवतरणें में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

   क) निरूपम न उपमा आन राम समान रामु निगम कहै ।
   जिमि कोटि सत खद्योत सम रबि कहन अति लघुता लहै ।।
   एहि भाँति निज निज मति बिलास मुनीस हरिहि बखानहीं ।
   प्रभु भाव गाहक आनि कृपाल सप्रेम सुनि सुख मानहीं ।।

   ख) जो पै रहनि राम सों नाहीं ।
   तौ नर खर कूकर सूकर सम बृथा जियत जग माहीं ।।
   काम, क्रोध, मद, लोभ, नींद, भय, भूख, प्यास सबही के ।
   मनुज – देह सुर साधु सराहत, सो सनेह सिय पी के ।।
   सूर, सुजान, सुपूत, सुलच्छन गनियत गुन गुरुआई ।
   बिनु हरिभजन इँनारुन के फल तजता नहीं करुआई ।।

ग) मन पछितैहै अवसर बीते ।
दुर्लभ देह पाइ हरिपद भजु, करम, बचन, अरु ही ते ।।
सहसबाहु दसबदन आदि नृप, बचे न काल बली ते ।
हम हम करि धन–धाम सँवारे ; अंत चले उठि रीते ।।
सुत बनितादि जानि स्वारथरत, न करु नेह सबही ते ।
अंतहुँ तोहि तजैंगे पामर ! तू न तजै अबही ते ।।

घ) बरदंत की पंगति कुंदकली अधराधर पल्लव खोलन की ।
चपला चमकै घन बीच जगै छवि मोतिन माल अमोलन की।
घुँघरारी लटै लटकैं मुख ऊपर कुंडल लोल कपोलन की।
निवछावरि प्रान करै तुलसी बलि जाउँ लला इन बोलन की।

———————————

(इ) विशेष साहित्यकार– नाटककार जयशंकर प्रसाद

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें – i) करुणालय
ii) कामना
iii) स्कंदगुप्त
iv) चंद्रगुप्त
v) ध्रुवस्वामिनी

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं ।*
*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के **उत्तर** लिखिए।*
*iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिन में से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. **9 अनिवार्य** है।*
*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. प्रसादपूर्व हिंदी नाट्य– साहित्य का परिचय दीजिए ।

2. प्रतीकात्मक नाटक के रूप में 'कामना' की समीक्षा कीजिए।

3. 'स्कंदगुप्त' की राष्ट्रीय चेतना तथा प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   क) नाटक की सामूहिकता

   ख) 'करुणालय' में गीतिनाट्य के तत्व

   ग) कामना का प्रतिपाद्य

   घ) 'स्कंदगुप्त' की भाषा ।

विभाग –ब

5. 'चंद्रगुप्त' नाटक की कथा–संरचना का परिचय दीजिए।

6. 'ध्रुवस्वामिनी में इतिहास के माध्यम से आधुनिक नारी की ओजस्विता के दर्शन होते हैं'– स्पष्ट कीजिए।

7. ऐतिहासिक नाटकों की परंपरा में प्रसाद का योगदान स्पष्ट कीजिए।

8. पठित नाटकों के आधार पर प्रसाद की रंगदृष्टि का परिचय दीजिए।

9. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) "आज आप लोगों के राष्ट्र का नवीन जन्म–दिवस है। स्मरण रखना होगा कि ईश्वर ने सब मनुष्यों को स्वतंत्र उत्पन्न किया है, परंतु व्यक्तिगत स्वतंत्रता वहीं तक दी जा सकती है, जहाँ दूसरों की स्वतंत्रता में बाधा न पड़े"।

अथवा

"आर्य ! संसार–भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैंने यही समझा है कि आत्म–सम्मान के लिए मर– मिटना ही दिव्य जीवन है"।

ख) "यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मार्यादा, नारी का गौरव,नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो"।

अथवा

"सौभाग्य और दुर्भाग्य मनुष्य की दुर्बलता के नाम हैं। मैं तो पुरुषार्थ को ही सबका नियामक समझता हूँ। पुरुषार्थ ही सौभाग्य को खीचं लाता है"।

———————————

(ई) विशेष साहित्यकार– कवि नरेश मेहता

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें – i) बनपाखी सुनो

ii) संशय की एक रात

iii) बोलने दो चीड़ को

iv) महाप्रस्थान

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के **समान अंक** हैं ।*

*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

*iii) विभाग '**अ**' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*iv) विभाग '**ब**' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए , जिन में से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. **9 अनिवार्य** है।*

*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. नई कविता ने जिन तत्वों के आधार पर अपने आप को परंपरा से अलग किया, वे सभी तत्व नरेश मेहता में मिलते हैं।– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. 'बनपाखी सुनो' की समस्त कविताओं में नरेश मेहता का प्रकृति के प्रति विशेष आकर्षण व्यक्त हुआ है । – विवेचन कीजिए।

3. 'संशय की एक रात' के कथानक की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   क) नरेश मेहता की काव्य–भाषा
   ख) नरेश मेहता के काव्य – बिंब
   ग) 'संशय की एक रात' के हनुमान
   घ) 'संशय की एक रात' का शीर्षक।

विभाग – ब

5. "बोलने दो चीड़ को संग्रह नरेश मेहता की शिल्पगत प्रौढ़ता का द्योतक है" –स्पष्ट कीजिए।

6. 'बोलने दो चीड़ को' संग्रह की कविताओं के भाव–वैविध्य को स्पष्ट कीजिए।

7. खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'महाप्रस्थान' की समीक्षा कीजिए ।

8. "व्यक्ति किस सीमा तक सहनशील हो सकता है, इसका प्रत्थक्ष प्रमाण युधिष्ठिर का चरित्र है।"- विवेचन कीजिए।

9. निम्नलिखित अवतरणें की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) यहाँ वहाँ लोग ही लोग हैं
मैं कहाँ हूँ ?
तुम्हारे पैरों के नीचे
मेरा नाम कहीं दब गया है
उठा लेने दो –
मेरे लिए वह मूल्य है।

अथवा

किस उत्साह से
ये टूटते हैं
जल,
मैदान इनकी प्रतीक्षा में
जल रहे हैं।
पहाड़ी बाट पर चलते हुए
एकांत लगता है।

ख) नहीं भीम !

सामनेवाला यदि आवेग में

पशु हो गया हो

तो विवेक के रहते

प्रतीक्षा करो

उसके पुन: मनुष्य होने की ।

अथवा

समस्त शास्त्रज्ञता

पांडित्य और तेजस्विता के बाद भी

यशस्वी द्रोणाचार्य

अपनी एकमात्र संतान को

दूध तक न उपलब्ध करवा सके ।

कल्पना करो

उस हाहाकार की पार्थ !

(उ) विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

समय : तीन घंटे पूर्णांक :60

पाठ्यपुस्तकें – ***i) गोदान : प्रेमचंद***
ii) मैला आँचल : फणीश्वरनाथ 'रेणु'
iii) अपने – अपने अजनबी : अज्ञेय
iv) त्यागपत्र : जैनेंद्र कुमार
v) अलग–अलग वैतरणी : शिवप्रसाद सिंह
vi) अनित्य : मृदुला गर्ग
vii) आवाँ : चित्रा मुद्गल
viii) कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के* ***समान अंक*** *हैं।*
ii) कुल ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
*iii) विभाग '**अ**' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iv) विभाग '**ब**' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. 'उपन्यास न दीर्घ कहानी है और न ही कहानी लघु उपन्यास है' – इस कथन के परिप्रेक्ष्य में कहानी और उपन्यास की तुलना कीजिए।

2. प्रेमचंदयुगीन उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए उसके आधार पर गोदान का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

3. 'मैला आँचल' में देशकाल के अनुरूप आँचलिक जीवन का यथार्थ वातावरण मिलता है – विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए ।
   क) 'गोदान' की भाषा शैली,
   ख) 'मैला आँचल का शीर्षक',
   ग) 'अपने – अपने अजनबी' का वातावरण,
   घ) त्यागपत्र : एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास।

विभाग – ब

5. ‘अलग– अलग वैतरणी’ की कथा देश के किसी एक अंचल की कथा नहीं बल्कि एक भारतीय गाँव की कथा है’ स्पष्ट कीजिए ।

6. ‘अनित्य’ का अविजित एक पथभ्रष्ट, लक्ष्यभ्रष्ट चरित्र के रूप में उभरा है– इस कथन के परिप्रेक्ष्य में अविजित का चरित्र–चित्रण कीजिए।

7. ‘आवाँ’ उपन्यास के माध्यम से लेखिका ने नारी की मातृत्व शक्ति अर्थात कोख के शोषण चित्रित करके एक भीषण सत्य पर से पर्दा उठाया हैं– उपन्यास के आधार पर समझाइए।

8. ‘कितने पाकिस्तान’ में वैश्विक चिंताओं के बीच हर देश में मौजूद ‘अपने देश को पहचान ने की कोशिश की गई है’ युक्तायुक्त चर्चा कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए।

   च) ‘अलग– अलग’ वैतरणी के संवाद ,

   छ) ‘अनित्य’ का उद्देश्य,

   ज) ‘आवाँ में मुंबई शहर का परिवेश चित्रण,

   झ) ‘कितने पाकिस्तान’ की शिल्पगत नूतनता।

(ऊ) विशेष विधा : हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें – i) भारत दुर्दशा : भारतेंदु हरिश्चंद्र
ii) अजातशत्रु : जयशंकर प्रसाद
iii) कोणार्क : जगदीशचंद्र माथुर
iv) लहरों के राजहंस : मोहन राकेश
v) एक कंठ विषपायी : दुष्यंत कुमार
vi) राक्षस : शंकरश शेष

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के **समान** अंक हैं ।*
*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के **उत्तर** लिखिए।*
*iii) विभाग '**अ**' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iv) विभाग '**ब**' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महाकाव्य के साथ उसकी तुलना कीजिए।

2. 'भारत–दुर्दशा' में भारतेंदु ने देश के अतीत का गौरवगान किया है, वर्तमान दशा का सजीव चित्रण किया है और भविष्य के प्रति आशा जगाई है। –कथन का विवेचन कीजिए ।

3. अजातशत्रु के नारी– चरित्रों पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए।
   क) अभिनय : अर्थ और प्रकार,
   ख) 'भारत– दुर्दशा' नाटक का शीर्षक,
   ग) 'अजातशत्रु' के गौतम बुद्ध,
   घ) 'कोणार्क' का विष्णु।

विभाग – ब

5. हिंदी नाट्य –साहित्य में भारतेंदु का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

6. 'लहरों के राजहंस' नाटक की प्रतीकात्मकता विशद कीजिए ।

7. 'एक कंठ विषपायी' में पौराणिक कथा के माध्यम से अभिव्यक्त आधुनिक बोध का विवेचन कीजिए।

8. 'राक्षस' में चित्रित पतनशील और विधायक प्रवृत्तियों के संघर्ष का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो पर** टिप्पणियाँ लिखिए ।

   च) पारसी रंगमंच,

   छ) 'लहरों के राजहंस' नाटक का शीर्षक,

   ज) 'एक कंठ विषपायी' की भाषा,

   झ) 'राक्षस' नाटक का अंत ।

(ए) अन्य : प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे पूर्णांक : 60

सूचनाएँ : *i) सभी प्रश्नों के **समान अंक** हैं ।*
*ii) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
*iii) विभाग '**अ**' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*iv) विभाग '**ब**' में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
*v) **दोनों** विभागों के उत्तर **एक** ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – अ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा करते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
2. हिंदी की साहित्यिक तथा पत्र–लेखन प्रयुक्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
3. जनसंचार माध्यमों की हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।
4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
   क) राजभाषा हिंदी,
   ख) टिप्पण का स्वरूप,
   ग) हिंदी वर्तनी का मानकीकरण,
   घ) पत्रकारिता के भेद।

विभाग – ब

5. व्यापारी पत्रलेखन के विभिन्न प्रकारों का सामान्य परिचय दीजिए।
6. कार्यालयीन कामकाज में पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग स्पष्ट करते हुए उसकी उपादेयता समझाइए।
7. कंप्यूटर का सामान्य परिचय देते हुए उसके कार्यक्षेत्र का विवेचन कीजिए।
8. संचार माध्यम से संबंधित अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उस में आनेवाली समस्याओं पर प्रकाश डालिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो पर** टिप्पणियाँ लिखिए :–
   च) कंप्यूटर और हिंदी भाषा,
   छ) परिपत्र,
   ज) अनौपचारिक टिप्पणी,
   झ) आदर्श अनुवादक के गुण।